

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा

PM SHRI KENDRIYA VIDALAYA INDERPURA

विद्यालय ई-पत्रिका 2024-25

“गवाक्ष”

SCHOOL E-MAGAZINE 2024-25



पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा

PM SHRI KENDRIYA VIDALAYA INDERPURA

मुख्य संरक्षक



डॉ अनुराग यादव
उपायुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन जयपुर संभाग



श्री माधोसिंह
सहायक आयुक्त



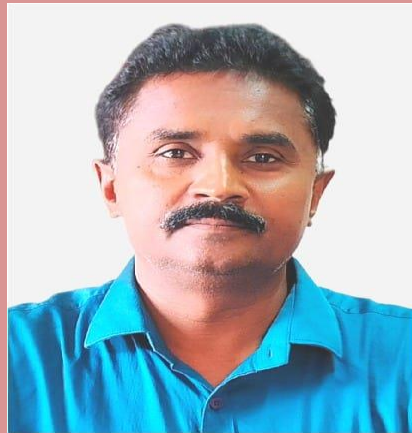
श्रीमती इंदिरा मुद्गल
सहायक आयुक्त



श्री विकास गुप्ता
सहायक आयुक्त



श्री ए. ए. इजरायल
सहायक आयुक्त



श्री मनवीर सिंह मीना
प्राचार्य



संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षक साथियों एवं अभिभावकगण

केन्द्रीय विद्यालय संगठन अपने स्थापना काल से ही विद्यार्थियों के ज्ञान, अभिवृत्ति एवं जीवन मूल्यों के विकास की दिशा में प्रतिबद्ध रहा है।

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा द्वारा विद्यालय स्तर पर वर्षपर्यंत आयोजित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से जुड़ी समस्त गतिविधियों की प्रतिछवि के रूप में अपनी ई-पत्रिका 'गवाक्ष' का प्रकाशन करने जा रहा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका के माध्यम से विद्यालय की गरिमा और प्रतिष्ठा में और अधिक वृद्धि होगी और यह भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में पथ प्रदर्शक सिद्ध होगी। इसी आशा एवं विश्वास के साथ -

(डॉ. अनुराग यादव)

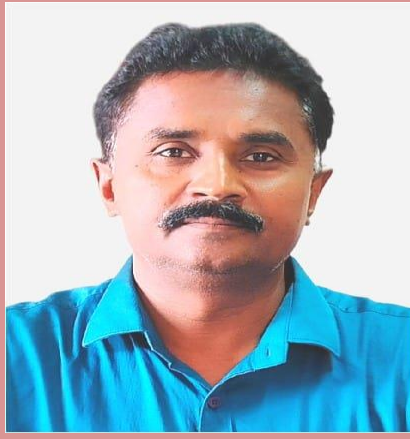
उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन जयपुर संभाग

संपादक मंडल

प्रधान संपादक:- श्री मनीष कुमार नरूका स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी

सहायक संपादक:- 1. श्री मनीष कुमार प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक अंग्रेजी
2. श्री मनोज कुमार डोलिया प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक संस्कृत



विद्यालय एक ऐसी जगह है जहां बच्चे अपना सर्वांगीण विकास कर सकते हैं। सभी विद्यार्थी अपने अधिकांश दिन विद्यालय में ही बिताते हैं विद्यालय जीवन सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हमारा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंद्रपुरा विद्यालय में बाग एवं खेल मैदान से पूर्णता सुसज्जित है एवम् एक सुंदर परिसर है। साथ ही अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएँ और कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं, जो सभी विद्यार्थियों की पढ़ाई में सहायता करती हैं। कक्षाएँ स्वच्छ और अच्छी तरह हवादार हैं, जिससे सीखने का अनुकूल माहौल बनता है।

पढ़ाई के साथ-साथ मेरा विद्यालय खेल, संगीत, नृत्य और नाटक जैसी पाठ्येतर गतिविधियों पर जोर देता है। पूरे वर्ष के दौरान, विद्यालय विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने के लिए कई तरह के कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। मेरे विद्यालय के शिक्षक जानकार, अनुभवी और सहायक हैं। वे न केवल अपना विषय पढ़ाते हैं, बल्कि सभी विद्यार्थियों को व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से विकसित करने में भी मदद करते हैं। वे हमेशा विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं।

संक्षेप में, मेरे पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंद्रपुरा सीखने की जगह से कहीं अधिक है। बालकों के रचनात्मक संसार को अभिव्यक्ति प्रदान करती 'गवाक्ष' विद्यालय ई-पत्रिका 2024-25 आप सबके समक्ष रखते हुए अत्यंत सुखद अनुभव कर रहा हूँ। मूझे पूर्ण विश्वास है कि शिक्षा के सकल अनोखे रंगों को समेटे हुए यह विद्यालय ई-पत्रिका विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को सबके सम्मुख लाने हेतु रंगमंच का कार्य करेगी।

शुभेच्छा सहित !

श्री मनवीर सिंह मीना
प्राचार्य
पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंद्रपुरा

संपादक की कलम से



“केंद्रीय विद्यालय संगठन इस राष्ट्र में विद्यालयी शिक्षा का ध्वजवाहक है। संगठन के सिरमौर बनने का कारण है, हमारे विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर राष्ट्रहित में कार्य करना।”

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के ध्येय वाक्य को अपने कार्यों के माध्यम से सदैव चरितार्थ किया है। इसी क्रम में विद्यालय द्वारा प्रकाशित विद्यालय ई- पत्रिका गवाक्ष एक नैसर्गिक तस्वीर है, जिसमें विद्यालय द्वारा वर्ष भर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की झलकियों के अलावा बालमन में प्रस्फुटित होने वाले ज्ञानांकुर का एक दर्पण है।

साहित्य और रचना बालमन को प्रसन्न करते हैं जिससे विद्यार्थी मन लेखनी के सहारे उड़ान भरने का प्रयत्न करता है। विद्यालय-पत्रिका छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को एक मंच प्रदान करने का सर्वोत्तम साधन है। पत्रिका में संकलित प्रत्येक रचना सकारात्मक उर्जा का संचार करती है।

विद्यालय-पत्रिका का प्रकाशन विद्यालय परिवार के सामूहिक उद्यम का परिणाम है। इस सराहनीय प्रयास के लिए मैं सभी विद्यार्थियों एवं अपने संपादकीय दल को शुभकामनाएँ ज्ञापित करता हूँ।

श्री मनीष कुमार नरूका

स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा , वार्षिक रिपोर्ट - 2024-25

केंद्रीय विद्यालय संगठन देश की सबसे बड़ी शैक्षिक संस्था है। इस संस्था का ध्येय विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करना और गति निर्धारित करना है। साथ ही राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करना और छात्रों के बीच भारतीयता का भाव पैदा करना है। केंद्रीय विद्यालय संगठन ने स्वयं को विद्यालयी शिक्षा में एक विश्व स्तरीय संगठन के रूप में प्रतिष्ठापित किया है, जो छात्रों में आंतरिक तालमेल को साकार करने और उन्हें भविष्य की, सामाजिक राष्ट्रीय और वैश्विक जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए शिक्षकों को लगातार सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन विद्यार्थियों को बड़े पैमाने पर समाज और दुनिया के लिए एक जिम्मेदार, योगदान देने वाले नागरिक के रूप में ढालने के लिए सीखने और नवीन सोच की जिज्ञासा जगाने के लिए शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों का समय-परीक्षण समग्र शिक्षण प्रदान करता है। यदि हमारे विद्यालय की बात करें तो, 2011 में स्थापित, यह एक सह-शिक्षा संस्थान है जो सी.बी.एस.ई. से संबद्ध है और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा संचालित है। हमारा विद्यालय तेजी से विकसित हो रही दुनिया में जीवन जीने का एक तरीका और उत्कृष्टता प्राप्त करने की भावना पैदा करने में सक्षम है।

शैक्षणिक -

शैक्षणिक उत्कृष्टता किसी भी शैक्षणिक संस्थान की मूल ताकत है। किसी विद्यालय का मूल्यांकन करने का अंतिम पैमाना बोर्ड परीक्षा का परिणाम है। 12वीं एवं 10 वीं कक्षा की सी.बी.एस.ई. परीक्षा में क्रमशः 14 और 34 छात्र-छात्रा उपस्थित हुए और परिणाम 100% रहा। 12वीं कक्षा में प्रथम स्थान पर लक्की सीगड़ 91.60 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर भावना कँवर 86.90% के साथ तीसरे स्थान पर दिव्या कँवर 84.90% के साथ इसी प्रकार से 10वीं कक्षा में प्रथम स्थान पर सलिना कुरैशी 94.40% के साथ द्वितीय स्थान पर रोहित सैनी 89.20 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से प्रतीक सैनी 88% और हार्दिक 88% के साथ कक्षा में शीर्ष स्थान पर रहे।

विद्यालय आंतरिक परीक्षा का परिणाम भी उत्तम रहा। हमारे शिक्षक व्यक्तिगत स्तर पर सुधारात्मक उपाय अपनाकर परिणाम में गुणात्मक सुधार लाने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। परिणाम सुधार के लिए शिक्षकों द्वारा विद्यालय समय के पश्चात् अतिरिक्त उपचारात्मक कक्षाएँ भी ली जा रही हैं। वे नियमित रूप से विभिन्न सेवाकालीन पाठ्यक्रमों से गुजरते हैं और लघु अवधि की कार्यशालाओं में भी भाग लेते हैं।

किसी भी रिक्ति की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए विद्यालय के सुचारू कामकाज के लिए रिक्त पदों के लिए संविदा शिक्षकों का एक पैनल बनाकर रखा गया है और आवश्यकतानुसार शिक्षकों को संविदा पर लगाया गया है। विद्यालय वार्षिक मूल्यांकन से पहले छात्रों को परीक्षण पैटर्न से परिचित कराने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। प्राथमिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार एवं मजबूती के लिए न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रम।

विद्यालय वार्षिक मूल्यांकन से पहले छात्रों को परीक्षण पैटर्न से परिचित कराने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। प्राथमिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार एवं मजबूती के लिए न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। कक्षा 1 के लिए विद्यालय तत्परता कार्यक्रम उनमें से एक है। प्राथमिक विभाग मजबूती से एफ. एल.एन. मिशन के दिशा-निर्देशों के अनुसार बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को सुनिश्चित कर रहा है। यह कार्यक्रम कक्षा 3 तक का पाठ्यक्रम बच्चों को पढ़ने की क्षमता प्रदान करने और बुनियादी कौशल प्राप्त करने पर केन्द्रित है।

केंद्रीय विद्यालय संगठन के प्रमुख कार्यक्रम :-

1. "तरुणोत्सव" कार्यक्रम के तहत बोर्ड परीक्षा के बाद दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए समय का उचित उपयोग सुनिश्चित करने और लगभग 2 महीने तक बच्चों को पढ़ाई और स्कूलों से वंचित होने की संभावना से बचाने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ की गई।

2. सी. पी. डी. के तहत प्रशिक्षित शिक्षक मॉड्यूल के विभाजन के अनुसार मॉड्यूल को पूरा कर रहे हैं।

3. आनंदवार के तहत शनिवार प्राथमिक कक्षाओं के लिए मनोरंजक दिन होते हैं, आनंदमय गतिविधियों से भरे दिन होते हैं। आंतरिक व बाहरी नियमित प्रतियोगिताएँ/गतिविधियाँ -

बच्चों के समग्र विकास के लिए हमारे विद्यालय द्वारा छात्रों को विभिन्न खेलों, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में बड़े पैमाने पर भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने के जागरूक प्रयास किए जा रहे हैं। पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए गए और विभिन्न बाहरी आयोजनों और प्रतियोगिताओं में छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

1. संकुल स्तर पर आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत तथा कला उत्सव प्रतियोगिताओं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

2. छात्रों को उनकी प्रतिभा और कौशल को सामने लाने के लिए सही मंच प्रदान करने के लिए सी.सी.ए. कार्यक्रम के तहत विभिन्न साहित्यिक और ललित कला प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

3. सभी राष्ट्रीय पर्व मनाए जा रहे हैं और अन्य महत्वपूर्ण दिन और सप्ताह छात्रों में राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति और सेवा की भावना जगाने के लिए वर्षभर आयोजित किए जाते हैं।

4. अनुशासन और सेवा की भावना को आत्मसात करने के लिए स्काउट्स और गाइड्स की गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

5. वार्षिक शैक्षणिक पर्यवेक्षण श्री माधोसिंह , सहायक आयुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग की अध्यक्षता में 4 सदस्यों के द्वारा एक पैनल द्वारा किया गया था।

6. किशोर शिक्षा कार्यक्रम के तहत जागरूकता पैदा करने और किशोरों की समस्याओं और मुद्दों से स्वस्थ तरीके से निपटने के लिए शिक्षकों द्वारा सत्र लिए जाते हैं।

7. स्वच्छ भारत के लिए स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

8. शिक्षक दिवस विभिन्न गतिविधियों के साथ धूमधाम से मनाया गया।

9. विविधता में एकता का उत्सव मनाने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के तहत कैलेण्डर के अनुसार गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। साल भर चलने वाले इस कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार एवं प्रस्तुत किये गए।

10. छात्रों और शिक्षकों के लिए कई गतिविधियों का आयोजन करके बहुत ही शानदार तरीके से आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी की लोकप्रियता का जश्न मनाने के लिए हिंदी पखवाड़ा मनाया गया।

इस रिपोर्ट को विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों द्वारा सामूहिक, जागरूक और लगातार प्रयास करने और बड़े पैमाने पर छात्रों, अभिभावकों और समाज के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्पित करने के दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ समाप्त किया जाता है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम रिपोर्ट 2024-25

'एक भारत श्रेष्ठ भारत भारत' सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों में वर्तमान सांस्कृतिक संबंधों को बेहतर बनाना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश की अवधारणा के माध्यम से विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच बातचीत को बढ़ाना और आपसी समझ को विकसित करना है। असम उत्तर पूर्वी भारत का एक प्रसिद्ध राज्य है, जोकि चाय बागानों के लिए विशेष है।

सत्र 2024-25 के लिए राजस्थान राज्य का भागीदार राज्य असम है।

पूरे वर्षपर्यंत 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। साप्ताहिक गतिविधियाँ कक्षावार आयोजित की गईं। जैसे- समाचार वाचन और भागीदार राज्य की मुख्य घटनाएँ, भाषा संगम के तहत भागीदार राज्य की भाषा में वर्णमाला, कहावतें और वाक्य, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, स्वच्छता तथा जल संरक्षण संकल्प, प्लास्टिक का न्यून उपयोग आदि। इसके साथ ही असम स्थित एक विद्यालय के स्थानीय छात्रों से ऑनलाइन साझा संवाद स्थापित किया।

आयोजित की जाने वाली मासिक गतिविधियाँ सामुदायिक गायन और डिस्प्ले बोर्ड सजावट थीं। निबंध प्रतियोगिता भागीदार राज्य की भाषा या हिंदी में आयोजित की गई थी, छात्रों से भागीदार राज्य की भाषा में समान कहावतों की पहचान/अनुवाद के लिए कहा गया।

लिटरेरी फेस्ट में असमिया भाषा में कविता पाठ का आयोजन किया गया। इस प्रकार पूरे वर्ष भर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

2024 के विद्यालय के टॉपर्स

PM SHRI **पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा** **PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA INDRAPURA** **75** **आजादी का** **अमृत महोत्सव**

EXCELLENT RESULT - XII BOARD 2024

1st RANK	2nd RANK	3rd RANK
		
लक्की सींगड़ 91.60%	भावना कौर 86.80%	दिव्या कौर 83.80%

PM SHRI **पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा** **PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA INDRAPURA** **75** **आजादी का** **अमृत महोत्सव**

EXCELLENT RESULT - X BOARD 2024

1st RANK	2nd RANK	3rd RANK	3rd RANK
			
सलिना कुरैशी 93.40%	रोहित सैनी 89.20%	प्रतीक सैनी 88.00%	हार्दिक 88.00%

हिंदी-पखवाड़ा - 2024

प्रतिवेदन

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में हिंदी-दिवस और हिंदी-पखवाड़ा मनाया गया। हिंदी-पखवाड़ा कार्यक्रम 13 सितम्बर से लेकर 28 सितम्बर तक हिंदी-अध्यापक व पखवाड़ा-कार्यक्रम प्रभारीयो के प्रभारीत्व में सुचारु रूप से चलता रहा। इसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए :—

- * सम्पूर्ण पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी भाषा में ही प्रार्थना-सभा का आयोजन किया गया ।
- * केंद्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय से प्राप्त पत्र में उल्लिखित निर्देशों का अनुपालन विद्यालय स्तर पर किया गया।
- * विद्यालय के कर्मचारियों को हिंदी में अधिकाधिक काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- * विद्यार्थियों के द्वारा प्रतिदिन विशिष्ट कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी भाषा एवं साहित्य से संबंधित रचनाएँ प्रस्तुत की गईं। साथ ही शिक्षकों द्वारा भी राजभाषा हिन्दी, हिंदी भाषा के विकास क्रम एवं साहित्य से सम्बंधित जानकारी प्रार्थना-सभा में विद्यार्थियों को दी गई।
- विद्यालय में हिन्दी-पखवाड़े के अंतर्गत अधोलिखित प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं
 1. सुलेख प्रतियोगिता
 2. वर्णमाला कथन प्रतियोगिता
 3. वर्णमाला लेखन प्रतियोगिता
 4. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
 5. श्रुतलेख प्रतियोगिता
 6. कविता पाठ प्रतियोगिता
 7. हिंदी आशु भाषण प्रतियोगिता
 8. निबंध लेखन प्रतियोगिता
 9. हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी
 10. समापन /परिणाम एवं पुरस्कार वितरण

दिनांक 28-09-2024 को हिंदी-पखवाड़ा समापन समारोह आयोजित किया गया । सर्वप्रथम प्राचार्य के संभाषण द्वारा हिंदी-पखवाड़ा-समापन कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री मनवीर सिंह मीना द्वारा इस समापन समारोह में हिंदी-पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही उन्होंने हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता और वैज्ञानिकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें हमारे दैनिक सरकारी कार्यों में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। श्री मनीष कुमार नरूका स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही हिंदी-पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन हुआ।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंदूरपुरा

10 बैंगलेस दिवस का प्रतिवेदन

नई शिक्षा निति 2020 के तहत हमारे विद्यालय में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए बैंगलेस दिवस का आयोजन दिनांक 28/09/2024 से शुरू किया गया एवम् 7/02/2025 तक चला।

जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह रूप से भाग लिया और अपनी प्रतिभा को निखारा इस अनूठी पहल का जो उद्देश्य था पारंपरिक शिक्षा से थोड़ा आगे बढ़ना जिसमें रचनात्मक जिज्ञासा और समग्र विकास को बढ़ावा दिया गया था।

उस उद्देश्य को पूर्ण करते हुए छात्र-छात्राओं ने इन दिवसों में व्यावहारिक कौशलों को बढ़ाया। जिससे वे अभी तक विमुख थे।

इन 10 दिनों में बच्चे वास्तविक दुनिया से परिचित हुए। छात्रों ने बागवानी के साथ विविध क्षेत्रों में अपना ध्यान लगाया जिससे वे प्रकृति की स्थिरता सीखे साथ ही स्वास्थ्य की प्राथमिक देखभाल।

इसी तरह शारीरिक शिक्षा और योग की कक्षाओं में अपना समय बिताया जिससे वे मानसिक स्वास्थ्य से लेकर शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सक्षम हुए

यह 10 दिवसों में जितने भी कार्यक्रम थे सरल और आकर्षित तरीके से आयोजित किए गए जिसमें छात्र ने अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय दिया और उनके भविष्य के द्वार खुले क्योंकि रचनात्मकता व्यक्ति की प्रतिभा को निखारती है

अंत में इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक कार्य, चित्रकला, संगीत के माध्यमों के द्वारा शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास में अपना योगदान दिया। इन सभी कुशलता के क्षेत्रों में छात्र-छात्राओं ने संलग्न होकर अपने व्यवहार ज्ञान, शारीरिक दक्षता रचनात्मकता को आगे बढ़ाया जो एनईपी 2020 के तहत समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए सुनिश्चित करना था।

आयोजित कार्य कार्यक्रमों की सूची :-

1. कला सम्बंधित कार्य – 28/09/2024
2. संगीत कार्यक्रम – 18/10/2024
3. खेल कार्यक्रम – 26/10/2024
4. व्यावसायिक शिल्प कार्यक्रम – 22/11/2024
5. बढई गिरी – 29/11/2024
6. बागवानी – 1/12/2024
7. मिटटी से बर्तन बनाना – विभिन्न दिवसों में।
8. सांस्कृतिक स्थलो का भ्रमण - विभिन्न दिवसों में।
9. ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण - विभिन्न दिवसों में।
10. व्यवसायिक गतिविधियों का प्रायोगिक आंकलन करवाना (पलसाना डेयरी)- विभिन्न दिवसों में।





आधुनिकता का प्रभाव

गुलाब के ऊपर काँटे नहीं है।

पेड़ के ऊपर पत्तियां नहीं है।

खान-पान में स्वाद नहीं है।

पानी स्वच्छ नहीं है।

इंसानों में ताकत नहीं है

फूलों में खुशबू नहीं है

फलों में रस नहीं है

चाँद में चाँदनी नहीं है।

बच्चों में लगन नहीं है।

लोगो को एक दूसरे के लिए समय नहीं है।

जिंदगी अब जिंदगी नहीं है।

सृष्टि

कक्षा- नवमीं

मेरा विद्यालय

मेरा विद्यालय ही है मेरी पहचान।
माता सरस्वती का, यह पावन मंदिर थान।
मिलता है हम सबको, यहीं से अक्षर ज्ञान।
विद्या वस्तु अमूल्य है, रत्नों में श्रेष्ठ महान,
मेरा विद्यालय ही, है मेरी पहचान।
माता-पिता गुरुजनों को, हम सदैव शीश नवाते।
जो पल-पल भलाई सोचे, संस्कार का पाठ पढ़ाते।।
गुरु के चरण कमल में, करो कोटि-कोटि प्रणाम,
मेरा विद्यालय ही, है मेरी पहचान।
विद्यालय की फुलवारी, भाती हम सबको प्यारी।
अपने विद्यालय की तो, सुन्दरता सबसे न्यारी।
जहाँ खेलते हैं कुसुम जीवन के, विद्यालय वह उद्यान,
फैलती महक जगत में, हो सफल राष्ट्र निर्माण।
बिन विद्या नहीं होता, इस जीवन का कल्याण।
होती नहीं तरक्की, अज्ञान है इक प्रमाण।।
हमें गुरु का आदर है करना, यह जीवन की परिपाटी।
सबसे मधुर व्यवहार है करना, ऐसे हों सब सहपाठी,
अपने से बड़ों का करना, हमें सदा मान सम्मान,
मेरा विद्यालय ही, है मेरी पहचान।

मानस

कक्षा- छठवीं

सपने

उठायी है कलम तो कुछ खास ही लिखूँगी,
अपने सपनों के प्रति खुला अहसास लिखूँगी,
ऐसे कैसे हार मान सकती हूँ मैं,
ऐसे कैसे निराश बैठ सकती हूँ मैं ,
गलतियाँ कौन नहीं करता जीवन में,
खुदको माफ़ कर देना मेरा हक है।
और इन सपनों से लड़ने की जंग में जायज सब है।
मेहनत मैं अकेली करूँगी, सफलता में सब आएँगे,
हम चीज क्या है ये बहुत जल्द बताएँगे,
कर देंगे मुँह सबका बंद अपनी कामयाबी,
की खबर से बस काम करना पड़ेगा
थोड़े. सब्र से माना कि आसान नहीं है,
पर ठान लो तो मुश्किल भी नहीं अपने
सपनों के लिए नींद को त्यागो केवल लक्ष्य के
पीछे भागो हाँ, देर से ही सही पर जागो।

सुनिता

कक्षा- ग्यारहवीं

पापा

पापा आखिर होते कौन हैं? भगवान का हम बच्चों को दिया हुआ तोहफा हैं पापा, या फिर यूँ कहूँ कि भगवान ही हैं पापा।

जो अच्छी चीजों के लिए कभी ना नहीं कहते और बुरी चीजों के लिए हाँ। जिन्हें हम इतना चाहते हैं वो हैं पापा। खुद के कपड़े पुराने होने पर भी जो हमें नए दिलवाएँ वो है पापा। जो खुद की जरूरत परे रखकर हमारे लिए सब करें वो हैं पापा। दुनियों की बुरी सोच से हमारी

ढाल बनकर बचाते हैं पापा। जब भी आते, हमारे लिए सब लाते और इन्ही सब में अपना सुकून भूल जाते। पूरा दिन मेहनत के बाद हमारी "चिन्ता उन्हें सताती है,

उनके आशीर्वाद से मुसीबत झट से टल जाती हैं पलकों पर बैठाकर रखते हैं पापा गलती पर डाँट लगाते वहीं गलती सुधारना सीखाते पापा इसीलिए तो भगवान का दिया हुआ तोहफा है पापा या फिर हूँ कहूँ की भगवान ही हैं पापा।

दिशा कक्षा- ग्यारहवीं

मन

एक पल में बुनते हजार ख्याल वो तो हम ही हैं जो इन्हें लेते सम्भाल ना जाने क्यों आते मन में इतने सवाल मन है हमारा मानों जैसे हो गहरा सागर।

सवाल आता है कभी कभार कि हमारा मन क्यों है इतना विशाल मन कभी-कभी कर देता बवाल हमें ही लेना पड़ता सम्भाल हमारा मन पवित्र होता है पर होता हमारे विचारों पर निर्भर सागर-सा गहरा ब्रह्माण्ड सा विशाल विचार होते हैं सबके मन में।

चाहे अँधा हो या बहरा फूल हो या छोटी-सी शूल सभी के मन में आते हैं तरकीब एवं ख्याल निर्भर हमारे ऊपर हैं कि कैसे करते हम इस्तेमाल विचार सकारात्मक, तो मन सकरात्मक यही है ध्यान रखना नकारात्मकता से दूरी, सच्चाई के लिए हमेशा लड़ना।

दिशा कक्षा- ग्यारहवीं

संविधान

संविधान हमारी आन है, एकता की पहचान हैं
कहने को हम सब इंसान है पर भारत से ही हमारी पहचान है।
जब देश बटा टुकड़ों मे तब सब अलग हुए।
तब किसी ने जलाई स्वतंत्रता की मशाल जब हुआ था
युद्ध का आगाज तब जा के हुआ देश आजाद,
ये देश है उन वीर जवानो का जो इस देश का अभिमान है।
तिरंगा हमारी आन है। हिन्दुस्तान पे हमारी जान कुर्बान है
संविधान हमारी आन है। एकता की पहचान है।

दिव्यांशी

कक्षा- छठवीं

संविधान दिवस

ये विधि का विधान है कि सत्य संविधान है।

संविधान ही अभिमान है।

आत्मा का ज्ञान है इसी से हमारी शान है

समाज में जो हमारा मान है

संविधान ही उसकी पहचान है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी सब पर हक समान है।

ये विधि का विधान है कि सत्य ही संविधान है।

संविधान ही अभिमान है।

जय संविधान ।

निष्ठा

कक्षा- छठवीं

संघर्ष

वो 'आकाश क्या जिसमे तारे ना हो,
वो सागर क्या जिसमे गहराई ना हो।
वो पथ क्या जो पथरीले ना हो,
वो जीवन क्या जिसमें संघर्ष ना हो।
वो सूर्य क्या जिसमें तपन ना हो,
वो चाँद क्या जिसमें शीतलता ना हो।
वो बरसात क्या जिसमें बिजली ना हो,
वो जीवन क्या जिसमें प्रकाश ना हो।
वो बाग क्या जिसमें हरियाली ना हो,
वो डाली क्या जिसमें काँटें ना हो।
वो तथ्य क्या जिसमें तर्क ना हो,
वो वस्तु क्या जो संभव ना हो।
वो कहानी क्या जिसका अंत ना हो,
वो वतन क्या जो आजाद ना हो।
वो कर्म क्या जिसमें लगन ना हो,
वो जन्म क्या जिसका कोई लक्ष्य ना हो।

मनीषा

कक्षा- छठवीं

माँ — ममता की मूरत

माँ की ममता, माँ का प्यार,
जैसे छाया घना कोई पेड़ हज़ार।
थक जाए दुनिया, रुक जाए राहें,
माँ की दुआएँ चलती रहें चाहें।

सुबह की पहली किरण से पहले,
जग जाए माँ, बच्चों की खातिर अकेले।
भूखी रहे पर थाली परोस दे,
अपने सपनों को बच्चों पर न्योछावर कर दे।

नींद हमारी हो पूरी,
पर माँ की रात अधूरी।
हमारे हर दर्द में रोती है,
पर खुद के आँसू छुपा लेती है।

जब डर लगे अंधेरे में,
माँ की आवाज़ उजाले में।
जब लगे दुनिया रूठ गई,
माँ की गोद सबसे सच्ची।

अगर किसी ने भगवान नहीं देखा,
तो माँ की आँखों में झाँक के देखो।
वहीं मिलेगा अपनापन, शांति और प्यार,
माँ है तो दुनिया है हज़ार बार।

हरीश
कक्षा - ग्यारहवीं

हिमालय की बर्फीली रोमांचक यात्रा

यह उस समय की बात है जब मेरी नियुक्ति केंद्रीय विद्यालय सराहन(हिमाचल प्रदेश)में थी।यह विद्यालय केंद्रीय विद्यालय के दुर्गम स्थान की श्रेणी में आता है।साल 2012 की कड़कड़ाती सर्दियों में, मैं अपने चार दोस्तों के साथ हिमाचल प्रदेश के हिमालय के पास सराहन पहाड़ों की एक रोमांचक यात्रा पर निकला। हमारी मंजिल बशल की पहाड़ियाँ थीं, जहां उस पहाड़ी की चोटी पर एक ऐसा पानी मिलता है, जिसे पीने से माइग्रेन का दर्द जड़ से समाप्त हो जाता है। हम वह पानी लाने गए थे। इसके अलावा, हम एक खास जड़ी-बूटी की तलाश में थे, जो कई बीमारियों को दूर करती है।

हमारे पास तंबू, खाना पकाने का सामान, ठंड से बचने के लिए पिटू बैग, और उच्च ऊंचाइयों पर मिलने वाली विषैले पौधों से बचने के लिए बहुत सारे प्याज थे। कहा जाता है कि प्याज इन पौधों के विषैले प्रभाव को शरीर पर असर नहीं करने देता।

यात्रा की शुरुआत देवदार के भारी वृक्षों और बर्फ से ढके रास्तों से हुई। दिन ढलते-ढलते हमें महसूस हुआ कि मंजिल अभी दूर है, और हम एक स्थानीय परिवार के घर रुक गए। उनकी गर्मजोशी और चाय ने हमारी थकावट को कम किया और आगे बढ़ने का हौसला दिया।

अगली सुबह हम जोश से भरे हुए आगे बढ़े और शाम को पहाड़ी की चोटी पर तंबू लगाया। आसमान में तारों की छांव थी, लेकिन ठंडी हवाओं ने हमें ठिठुरन में डाल दिया। हमने लकड़ियां इकट्ठा कीं, आग जलाई और खाना पकाया। दोस्तों के साथ बिताए गए वो पल और पहाड़ों का सन्नाटा दोनों ही बहुत खास थे।

हमारी मंजिल पहाड़ी की चोटी थी, जो अब केवल 500 मीटर दूर थी। लेकिन जैसे-जैसे रात बढ़ी, जंगल की डरावनी आवाजें सुनाई दीं। जंगली जानवरों की आवाजें और अचानक शुरू हुई बर्फबारी ने हमारी हिम्मत को परखा। बिगड़ते मौसम को देखकर हमने वापस लौटने का फैसला किया।

लौटते समय भारी बर्फबारी के कारण रास्ता गायब हो गया, और हम रास्ता भटक गए। डर और घबराहट के बीच, हमारे पास मौजूद कम्पास ने हमारी मदद की। कम्पास का सही दिशा बताने का तरीका हमें घर सुरक्षित पहुंचने में मददगार साबित हुआ।यह यात्रा साहस, धैर्य और तैयारी का एक अद्भुत उदाहरण थी। यह रोमांचक और खतरों से भरी यात्रा हमारे जीवन का एक अविस्मरणीय अनुभव बन गई, और हम प्रकृति से एक गहरा जुड़ाव महसूस करते हुए घर वापस लौटे।

सुरेन्द्र कुमार मीना

प्र.स्नातक शिक्षक गणित

मित्रता

आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण लघ्वी पुरा वृद्धिमती च पश्चात् ।

दिनस्य पूर्वार्धपरार्धभिन्ना छायेव मैत्री खलसज्जनानाम्॥

खल (दुष्ट) व्यक्तियों की मित्रता दिन के पूर्वार्द्ध भाग की छाया के समान होती है जो आरम्भ में लम्बी (गहरी) होती है और क्रमशः क्षीण (नष्ट) हो जाती है जबकि सज्जनों की मित्रता दिन के परार्ध (उत्तरार्ध) भाग की छाया के समान होती है जो प्रारम्भ में तो लघ्वी (छोटी/कम गहरी) होती है किन्तु क्रमशः (धीरे -धीरे) वृद्धि को प्राप्त (बढ़ती) होती है।

मनोज कुमार डोलिया
प्र.स्नातक शिक्षक संस्कृत

समझ

सबसे सुंदर बात कोई भी मनुष्य किस बात को, किस प्रकार से समझता है।

यह उसकी मानसिकता तय करती है।

कोई दूसरों की थाली में से भी,

छीन कर खाने में अपनी शान समझता है

तो कोई अपनी थाली में से दूसरों को, निवाले खिला कर संतुष्ट होता है।

सारा खेल संस्कारों, समझ, और मानसिकता का है

लेकिन एक बात तो तय है कि छीन कर,

खाने वालों का कभी पेट नहीं भरता।

और बाँट कर खाने वाले, कभी भी भूखे नहीं रहते।

मनोज कुमार डोलिया
प्र.स्नातक शिक्षक संस्कृत

Madhubani Art

Madhubani art, also known as Mithila painting, is a vibrant and intricate traditional Indian folk art form originating from the Mithila region of Bihar, India. It's characterized by its bold colours, detailed patterns, and depictions of nature and mythology. The art is typically done with nature pigments and tools like twigs, brushes, and fingers, and is often created by women in the Mithila region...

Yugichha

Class VII

Maharana Partap

Maharana Pratap was born in the Kumbhalgarh of Mewar on 9 May, 1540. Akbar who was expanding the imperial Mughal empire decided to conquer Rajputana. He set off with the imperial Mughal army from Delhi and marched towards Mewar intent on conquering it and especially capturing Pratap's capital of Udaipur. He met with Pratap's army at the Battle of Haldighati and the battle ensued. Maharana Pratap defeated a large Mughal army at Battle of Dewair where more than 36,000 Mughal army soldiers surrendered to Maharana Pratap. He reoccupied entire Mewar before his death. He died in Chavand on 19 January, 1597 at the age of 56, when he tripped down a steep hill while hunting a lion.

Ajay Raj Singh

Class VI

Our World

The grass is green,
The sky is blue,
The moon is white,
The clouds are, too.

The sun is yellow,
The trees are brown,
The leaves are red
When falling down.

The sunset's orange,
The air is clear,
What a colorful world
We have right here!

Prachi

Class VI

Hamara Bharat

Bharat has been known worldwide as a land of wise and heroic individuals. Its rich and diverse culture has attracted numerous travellers since ancient times. The people here lives in unison, presenting to the world unity in diversity. Bharat is a land rich with rivers, lakes and high mountains. Its green forests are home to many plants, insects, birds and animals. All these elements ensure that Bharat prospers and it is respected globally. As its inhabitants, we need to continue working hard and make sure that it prospers.

Divyanshi

Class VI

Shaping Tomorrow's Innovators: The Rise of School Innovation Hubs

In today's fast-evolving world, traditional classrooms are no longer enough to prepare students for the challenges ahead. Enter Innovation Hubs—creative spaces within schools designed to foster exploration, experimentation, and hands-on learning.

These hubs go beyond the usual textbooks. Equipped with tools like robotics kits, 3D printers, and coding platforms, they encourage students to actively engage in solving real-world problems. Rather than just focusing on memorization, students in innovation hubs work on projects that inspire creativity and critical thinking.

Across India, initiatives like Atal Tinkering Labs are empowering young minds to invent—whether it's designing smart gadgets, building eco-friendly tech, or developing solutions for community challenges. It's about learning through doing, embracing failure as part of the process, and nurturing curiosity.

Innovation hubs are transforming the educational landscape by:

- * Promoting hands-on experimentation
- * Encouraging collaboration and creativity
- * Fostering resilience through trial and error

By creating spaces for students to innovate, these hubs are shaping the leaders and problem-solvers of tomorrow, ready to make an impact in the real world.

Harish

Class -XI

STILLNESS & SILENE SPOKE LOUDEST-DROP OF WATER, SEA OF REALISATION

I called for another glass of chilled water as I wiped the sweat tickling down my face. My brother sat across from me, equally drained. It was mid-April, and summer had barely begun - but it was already burning like a furnace. Summer, this year felt hotter than the last and became even more hotter with each passing day. The mercury level in thermometers were all time high in afternoon. Even shadows seemed to be sweating.

Fans whirred uselessly. The air was thick, unmoving, like nature itself had paused. My mother kept pushing glasses of lemonade into my hands, hoping to replace litres of water, I was losing just by breathing. Mornings were no more pleasant and evenings seemed enjoyable only after sunset.

Bidding my brother, 'Goodbye' for his classes, I had to step out this afternoon to market. The roads were empty, lifeless. The Earth beneath my slipper was so hot, I joked to myself that somebody had laid giant 'tawa'.

The ground had cracked to form mosaic like pattern. Trees stood like helpless sentinels, their leaves curled and crisp. Stray dogs panted under the shade of broken walls. The silence was haunting.

But this time we were better equipped to fight this, with good water supply & medications and made available in every hospital. "I thought."

As I moved further, I experienced some stinky smell coming from the dumped garbage which was left to dry and decompose under the sun. After reaching the main market, I saw more or less all the local vegetable & fruit stalls were closed. who would dare sit at 2 in afternoon?

As I was just about to enter my home, I felt something moving on my feet. Thinking it to be an insect, I jumped. but it was a sparrow- A tiny sparrow, barely size of my palm - tried to take a flight but swooped down suddenly and collapsed right infront of me. Its wings trembled weakly. Its beak hung open, desperate for water. And then...it fell over. Still and motionless.

I was astonished, panicking, I rushed inside for water dropping my bag on ground. Take plenty of cool water in a bowl, I tried to left the sparrow. My hands shook. I poured a few drops of water from the bowl into its beak eventually keeping in the bowl. It drank the water and rose it's head with all the force it could muster as if saying "Thank you brother".

At a sudden movement it took a deep breath and its head dropped, it lay again still and motionless. I tried to shake the bowl - Nothing. It couldn't move. I froze. A life, so small, so helpless - and I couldn't save it. The heat had taken lits life. All the memories of today's afternoon flashed in my mind, the cattles, the dogs, the trees, the shopkeepers, the heat and everything. I broke down. I felt like a hole was being etched in my chest.

Time passed at a great speed. I was in my bed laying under the sky on the terrace but couldn't sleep that night. The memories keep flashing and it was overwhelming. I continuously turned my back but it wouldn't ease me. I thought of the sparrow, the dogs I passed daily, the cows sitting under trees and the birds nesting on our terrace. None of them had voices to ask for help. And here we are-

shutting our doors, closing our windows, and ranking up the air conditioners while outside, lives were perishing..... silently. The very thought of sparrow made me restless.

Next morning, I woke up (but never slept). picked up a few clay pots, filled them with water and placed them near our house, on the terrace and beside the garden. One for birds and other for dogs and cows. It wasn't a great gesture. Just a "quite" one.

But something unexpected happened. It didn't go unnoticed. Slowly, others placed pots too. Children began refilling them. A quiet kindness had begun to bloom in the peak of summer.

Climate change is not just a buzzword. It's real. It's here, and it's crudest impact is on the voiceless - the ones who can't speak but feel it the most!

Summer is hard for all of us but more for who cannot speak of their sufferings. This incident shook me and I saw to what extent we can go to ignore its effects, shut our eyes and pay deaf ears to pleading of dying lives of not only people but also animals and plants. I saw myself in the dying sparrow. Cannot you?

A little act of compassion can ripple outward. And as Lao Tzu said -

"Do not be afraid to walk slow. Be afraid to stand still."

So this summer, don't stand still. Be the water some one else might need. Even if it's just a bowl for a thirsty sparrow. A small amount of action has the capability to outweigh a dozen big ideas and plans. Let's act with heart and hope.

I would like to conclude with a line-

"He who sees all beings in Himself, is not a drop in the ocean and neither are his actions but entire Ocean in a drop."

Be the Water - Ruhaan

Class : XI

PROMOTING READING CULTURE IN THE MODERN ERA

In these difficult times, the school library is like a ray of hope. It's a quiet but very important place that not only helps increase knowledge but also helps develop mental peace and good character. The library is not just a room full of books. It's a special place for peace, thinking, and discovering new things. Here, students learn a lot beyond their textbooks. They learn about great thinkers, find out about different cultures, and learn life lessons that no school subject can fully teach. Developing a reading habit helps increase vocabulary (the words you know), improves thinking skills, and builds empathy (understanding others' feelings). These skills are important for success in studies and for personal growth. Also, at a time when stress and worry are increasing among students, the library offers a calm environment where the mind can rest and refresh. It has been scientifically shown that reading for fun reduces stress, improves focus, and helps people understand their emotions better. Unlike distracting digital devices, books encourage deep thinking and self-awareness, helping students become mentally stronger. The library also plays an important role in promoting good values. Through stories, biographies (life stories of people), and history, students learn about honesty, kindness, responsibility, and perseverance (not giving up). These stories shape young minds, give them role models, and teach important life lessons in a gentle but powerful way. Therefore, it is the responsibility of schools, teachers, and parents to bring back the reading habit. Organizing library periods, book clubs, storytelling sessions, and reading challenges can make the library an attractive place again. Encouraging students to spend time with books – not just for exams, but for enjoyment – can create a lifelong love for learning. It is a doorway to becoming a better person and building a better society. In these changing times, let's all reconnect with reading, strengthen our values, and make the library important again in every student's life.

Pradeep Kumar
LIBRARIAN

Reviving Our Roots: Why Indian Classical Music & Heritage Still Matter

India is a land of stories told not just through words, but through ragas, rhythms, and rituals. As a student deeply connected to my roots, I have always felt an inner pull toward Indian classical music and our rich cultural heritage. While modern music and gadgets may rule our day-to-day lives, there's an unmatched peace and depth in the strains of a sitar, the beats of a tabla, or the devotion in a dhrupad.

Ragas that Speak to the Soul

Indian classical music is more than just sound—it's science, soul, and spirituality. Each raga is designed to stir specific emotions. For example:

Raga Bhairavi is known to bring calm and balance.

Raga Ahir Bhairav, often played at dawn, is said to bring deep peace and mindfulness.

Such ragas are not only part of our tradition but also India's soft power. *Ricky Kej*, an Indian composer, won multiple **Grammy Awards** for fusing Indian classical ragas with global sounds. Not just that—*Pandit Ravi Shankar*, one of India's greatest sitar players, inspired Western musicians like George Harrison, spreading Indian music across the globe.

And here's something remarkable: when *Malala Yousafzai* received the **Nobel Peace Prize**, a performance based on Indian classical themes was part of the ceremony. Our ragas are now heard in peace conferences, yoga summits, and global awards—what more pride could we ask for?

Preserving Our Cultural Heritage

Heritage isn't just in monuments or museums—it's in how we speak, pray, sing, and even greet each other. Visiting temples like Govind Dev Ji or dreaming of seeing all 12 Jyotirlingas and 51 Shaktipeeths, I feel we're part of a timeless journey. Each coin in my antique collection tells a story of dynasties, devotion, and design.

But here's the truth: if we don't protect and promote our heritage, it might disappear. That's why learning Indian music, history, and visiting cultural sites should not be left to textbooks or only special occasions—it should become part of our everyday pride.

A Call to My Fellow Mates

Let's not forget our roots in the race toward the future. Whether it's joining a classical music club, attending a local folk festival, or simply respecting our traditions, we can all be guardians of India's legacy.

I've started my journey—learning harmonium, collecting rare artifacts, and documenting everything I discover. Maybe you'll find your spark too.

KUNAL

Class : X

पाठ्य सहगामी क्रियाएं प्रतिवेदन

पा.सह .गतिविधियाँ बच्चों में व्यक्तित्व के सामंजस्यपूर्ण विकास को सुनिश्चित करती है। पा.सह .गतिविधियाँ औपचारिक शिक्षण अनुभवों का एक विस्तार है और शैक्षणिक गतिविधियों के पूरक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वे रुचि और भाषा कौशल, संचारी कौशल और बच्चे के कलात्मक कौशल को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। सीसीए ज्ञान प्रतिस्पर्धी भावना, मूल्य अभिविन्यास, नेतृत्व दलभावना और जीवन के विभिन्न अन्य पहलुओं के लिए विश्लेषणात्मक बल को बेहतर बनाने में मदद करता है। उक्त सभी गुणों को शामिल करने के लिए, अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान एक अच्छी तरह से योजनाबद्ध पा.सह .गतिविधियाँ कैलेंडर के अनुसार पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में प्रश्नोत्तरी, सस्वर पाठ, भाषण, आशुभाषण, वाद-विवाद, मोनो अभिनय, फैसी ड्रेस इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ वरिष्ठ और कनिष्ठ स्तर पर अंतर-सदन प्रतियोगिताओं के माध्यम से आयोजित की गई है, ताकि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास मजबूत हो सके। सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ उन सभी क्षेत्रों को शामिल करती हैं जो समग्र व्यक्तित्व के विकास को सुनिश्चित करते हैं और पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा पा.सह .गतिविधियाँ के माध्यम से छात्रों को अपनी जन्मजात प्रतिभा और क्षमताओं को विकसित करने के पर्याप्त अवसर प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, विद्यालय में इको, साहित्य, विज्ञान, गणित, सांस्कृतिक, कला, संगीत, पाठक, स्वास्थ्य और कल्याण और हिंदी क्लब जैसे विभिन्न क्लब भी अपने विशेष क्षेत्र में विद्यार्थियों को समृद्ध करने के लिए विभिन्न आयोजन किए गए हैं। इसके अलावा, एक छत के नीचे राष्ट्रीय एकीकरण नीति को बढ़ावा देता है, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और सामाजिक पर्वों को उनके मूलभूत सिद्धांतों, भावनाओं के साथ मनाते है।



SCOUT AND GUIDE ACTIVITIES



विद्यालय की उभरती प्रतिभाएं



दिनकर कक्षा 11



हितेश कक्षा 11



नक्ष कक्षा 6



मयंक कक्षा 6



दक्ष कक्षा 2



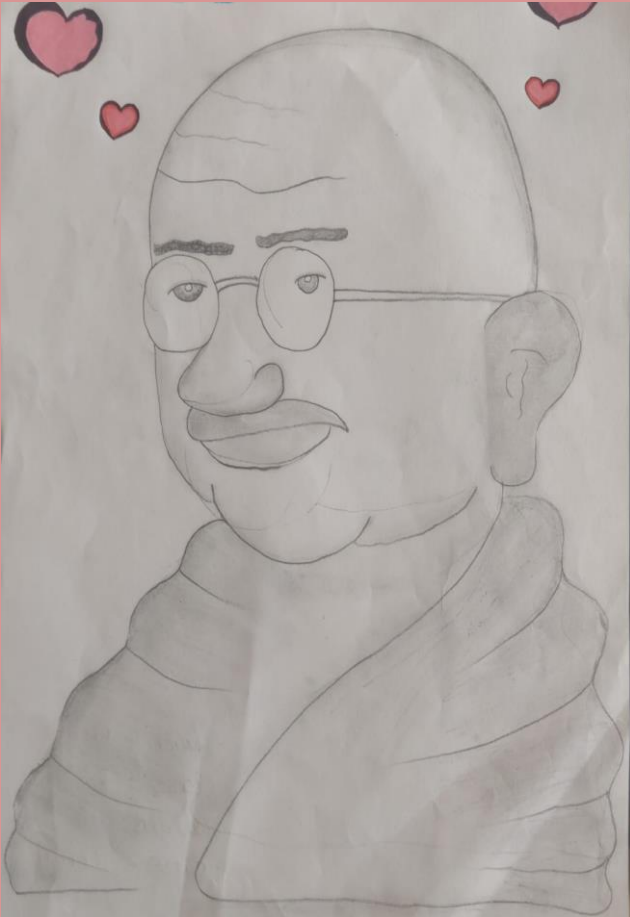
दिव्या कक्षा 2



रितिका कक्षा 2



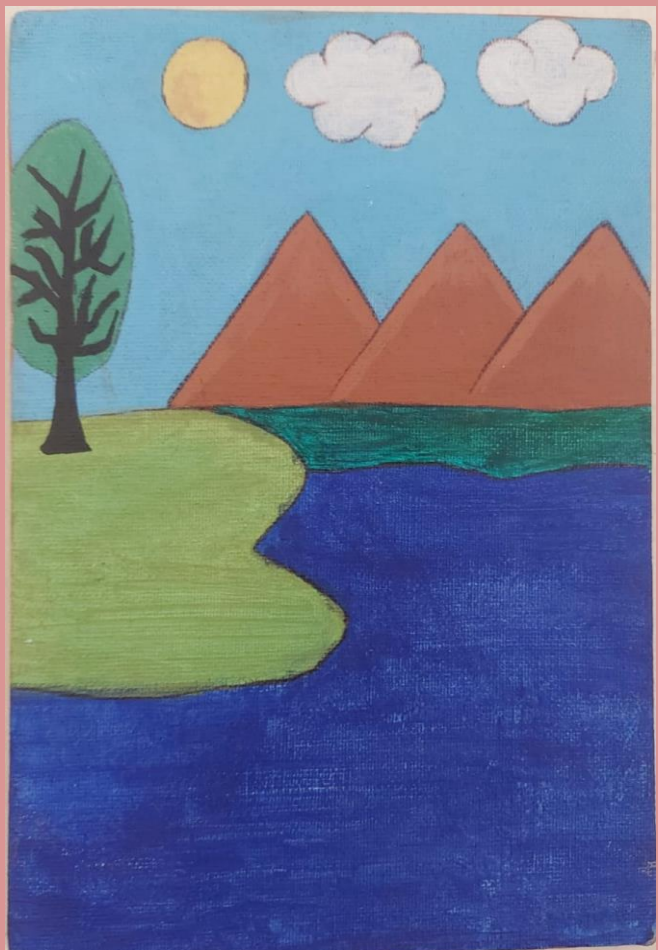
युगिच्छा कक्षा 7



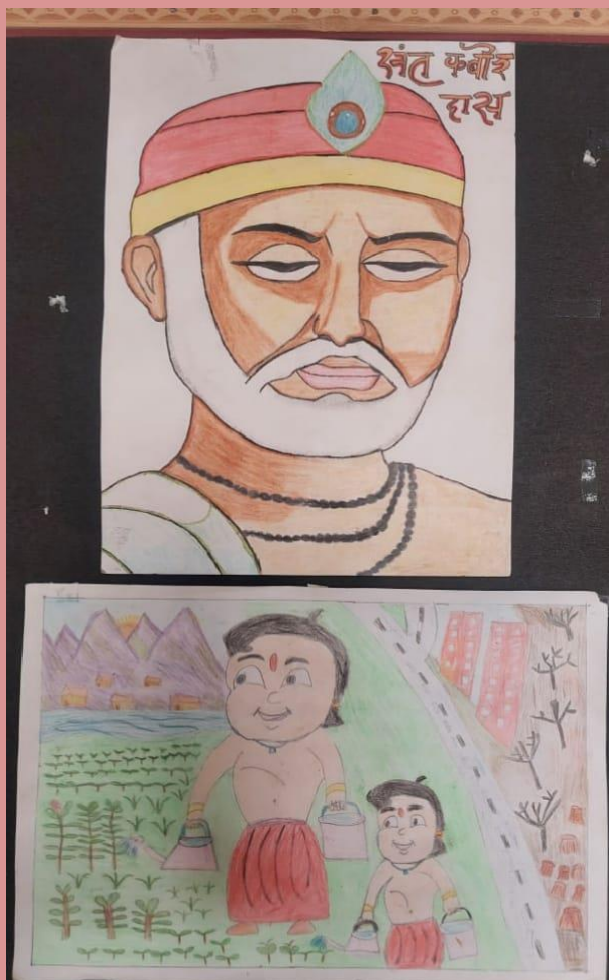
तनिषा कक्षा 2

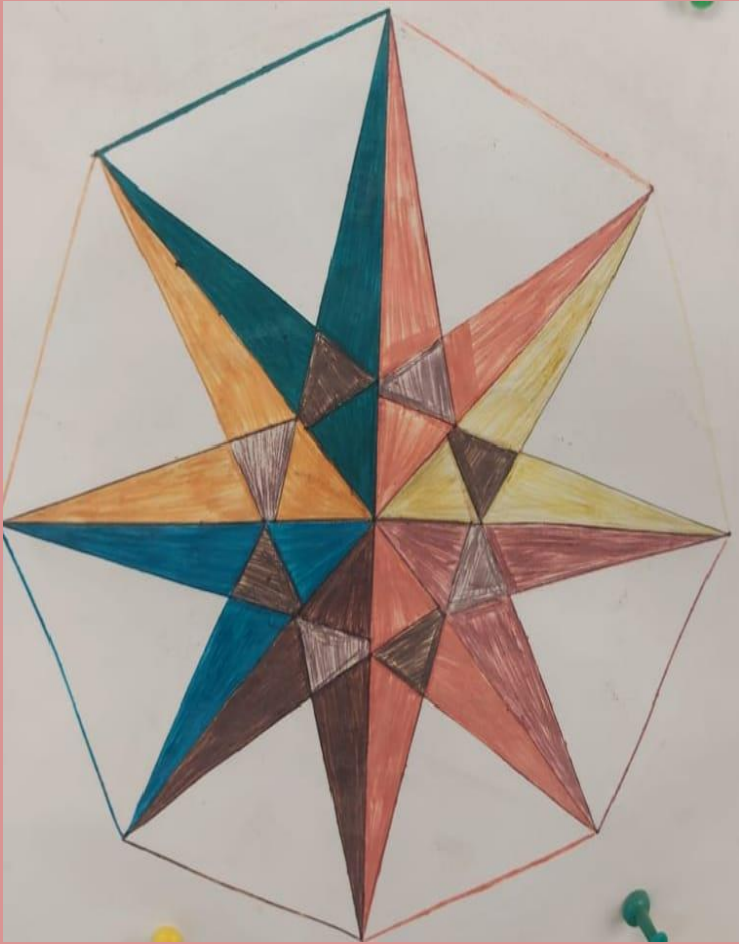


मानस कक्षा 6



इशिता कक्षा 11





अखबारों में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा की खबरें।



नीमकाथाना भास्कर 15-11-2024



केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में बागवानी का निरीक्षण करते उपायुक्त।

केवी संगठन उपायुक्त डॉ. यादव ने इंदरपुरा विद्यालय का निरीक्षण किया

भास्कर न्यूज़ | इंदरपुरा

केंद्रीय विद्यालय संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के उपायुक्त डॉ. अनुराग यादव गुरुवार को इंदरपुरा स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय पहुंचे। प्राचार्य मनवीर सिंह मीना व स्वर्णश्री गाइड पार्टी ने उनका स्वागत किया। डॉ. यादव ने स्कूल में पीएमश्री योजना के तहत चल रहे प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया। उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों के मद्देनजर 10वीं व

12वीं के छात्रों से संवाद किया और उन्हें परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के कई टिप्स दिए। डॉ. यादव ने स्कूल में पीएमश्री योजना के तहत निर्माणाधीन नई व्यावसायिक लैब का निरीक्षण भी किया। सभी विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। इसके पश्चात, स्टाफ मीटिंग में उन्होंने विद्यालय को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए कुछ और उपयोगी सुझाव दिए और सभी के योगदान की सराहना की।



चिड़ावा भास्कर 24-12-2024

केवी इंदरपुरा में दादा-दादी, नाना-नानी दिवस मनाया



इंदरपुरा | पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में दादा-दादी, नाना-नानी दिवस मनाया गया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों का उनके दादा-दादी व नाना-नानी के साथ भावनात्मक जुड़ाव को और प्रगाढ़ बनाना है। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। बुजुर्ग अभिभावकों के लिए भी रोचक प्रतियोगिताएं रखी गई थीं। उन्होंने बच्चों व स्कूल स्टाफ के साथ अपने अनुभव साझा किए। स्कूल प्रधानाचार्य मनवीर सिंह मीना ने कहा कि ऐसे आयोजनों के पीछे हमारा उद्देश्य बच्चों में उनके परिवार के बुजुर्ग सदस्यों के प्रति सम्मान और स्नेह की भावना को विकसित करना है। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहने वाले अभिभावकों को पुरस्कृत भी किया गया।



नीमकाथाना भास्कर 24-05-2024

केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में कक्षा 11वीं विज्ञान वर्ग के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

उदयपुरवाटी | पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में कक्षा 11 विज्ञान संकाय के लिए अन्य स्कूलों से 10वीं पास करने वाले बच्चों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई है। विद्यालय के प्रिंसिपल मनवीर सिंह मीना ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय में कक्षा 11 के लिए अन्य स्कूलों से 10वीं पास करने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 24 मई से ऑफलाइन शुरू होगी। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्यालय से पंजीकरण फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। पंजीकरण फॉर्म जमा कराने की अंतिम तिथि 1 जून, दोपहर 2 बजे तक है।



चिड़ावा भास्कर 02-06-2024

पीएम श्री केवी इंदरपुरा में 11वीं में प्रवेश की अंतिम तिथि अब 4 जून

इंदरपुरा | केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में 11वीं विज्ञान संकाय के लिए अन्य विद्यालयों के बच्चों के लिए प्रवेश पंजीकरण तिथि 4 जून तक बढ़ा दी गई है। प्राचार्य मनवीर सिंह मीना ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी 4 जून तक सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्यालय से पंजीकरण फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। फॉर्म जमा कराने की अंतिम तिथि 4 जून को दोपहर 2 बजे तक है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के विद्यार्थी भी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में शिक्षक के रिक्त पदों के लिए साक्षात्कार

इंदरपुरा | पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में सत्र 2024-25 के लिए संविदा / दैनिक अनुबंध आधार पर संगीत व बाल वाटिका शिक्षकों का पैनल तैयार किया जाएगा। इसके लिए एक जुलाई को साक्षात्कार प्रस्तावित है। इच्छुक अभ्यर्थी योग्यता व अन्य जानकारी के लिए विद्यालय में संपर्क कर सकते हैं।



शुद्धन, बालिका वर्ग की विजेता टीम के खिलाड़ी व अतिथि।



शुद्धन, बालीबॉल अंडर 17 की विजेता टीम सदस्य।

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का समापन, नेशनल मीट के लिए 18 छात्राओं का चयन वॉलीबॉल : अंडर 14 में केवी शुद्धन व अंडर 17 में केवी इंदरपुरा की बेटियां वहीं विजेता

भास्कर संवाददाता | शुद्धन

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में चल रही तीन दिवसीय संभाग स्तरीय बालिका वर्ग की वॉलीबॉल प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हो गया।

प्रतियोगिता के अंडर 14 वर्ग में केवी शुद्धन की टीम व अंडर 17 में केवी इंदरपुरा की टीम विजेता रही। इस दौरान नेशनल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन किया गया।

प्रचार्य ओमगाम चौधरी ने बताया कि अंडर 14 के फाइनल मुकाबले में केवी शुद्धन की टीम ने केवी खेतड़ी नगर को 2-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। केवी खेतड़ी नगर ने सिल्वर व केवी इंदरपुरा की टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसी प्रकार अंडर 17 के फाइनल मुकाबले में

संभागीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में नेशनल स्तर की टीम के लिए 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया। प्रचार्य ओमगाम चौधरी ने बताया कि नेशनल अंडर 14 टीम के लिए केंद्रीय विद्यालय शुद्धन की गौतिका, प्रियंका, ज्योतिका, वामिका, आर्यन, कनिका, सुष्टि व हितंशु का चयन हुआ है। जबकि अंडर 17 टीम में केवी शुद्धन की तनिका, टीया व प्रियांशु तथा केवी इंदरपुरा की कप्तान मानवी टंक, अनुश्री, दिव्या ज्योति, मोनिका व सिद्धू तथा केवी खेतड़ी नगर की अंबिका, अंगु, लव्या व प्रियंका का चयन हुआ है।

केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा की टीम ने केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर को 2-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। केवी खेतड़ी नगर ने सिल्वर व केवी शुद्धन की टीम को ब्रॉन्ज मेडल जीता। समापन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय

बालक वर्ग में केवी इंदरपुरा की टीम रही विजेता। इधर, पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में चल रही बालक वर्ग की प्रतियोगिता में मेजबान टीम विजेता रही। प्रचार्य मनवीर सिंह मीना ने बताया कि अंडर 17 के फाइनल में इंदरपुरा ने चितौड़गढ़ की टीम को 3-1 से व अंडर 14 के फाइनल मुकाबले में इंदरपुरा ने केवी देवली को 3-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। पीटीआई होशियार सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में के विद्यालयों की टीमों के खिलाड़ी शामिल हुए। चयनित खिलाड़ी नेशनल स्तर पर खेलने जाएंगे।

संगठन के पूर्व प्रचार्य आरपीएस शिवाय थे। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलकूद के महत्व के बारे में बताया। इसके बाद अतिथियों ने विजेता व उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के फेरी स्वर्ण जयंती स्टेडियम के शेरसिंह व चयनकर्ता केंद्र विद्यालय वापसेना सुलका के नांगर को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन विक्रम सिंह छाफेता व सार्वजनिक शिक्षक प्रमोद पुनिया ने किया। इस दौरान बरिष्ठ अध्यापक मोहं सिंह आदि मौजूद थे।



नीमकाथाना भास्कर 05-07-2024

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय इंदरपुरा में हुआ तीन दि वसीय संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन पीएमश्री केवी इंदरपुरा की टीम संभाग स्तरीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट में विजेता, पुरस्कृत किया



उदयपुरवाटी. केवी इंदरपुरा में फाइनल मुकाबले में दमखम दिखाते खिलाड़ी व फाइनल मुकाबला जीतने के बाद प्रशिक्षकों व अतिथियों के साथ विजेता टीम।

भास्कर न्यूज़ | उदयपुरवाटी

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में गत तीन दिन से चल रही संभागीय स्तरीय अंडर 17 व अंडर 14 वर्ष बालक वर्ग वॉलीबॉल प्रतियोगिता गुरुवार को संपन्न हो गई। दोनों प्रतियोगिताओं में मेजबान स्कूल की टीमों ने फाइनल जीतकर गोल्ड मेडल हासिल किया है।

जानकारी के अनुसार वॉलीबॉल अंडर 17 वर्ष के फाइनल मुकाबले

में इंदरपुरा की टीम ने चितौड़गढ़ की टीम को 3-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता है। इसी प्रकार अंडर-14 के फाइनल मुकाबले में मेजबान स्कूल केवी इंदरपुरा ने पीएमश्री केवी देवली की टीम को 3-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता है। खेल प्रभारी होशियार सिंह के मुताबिक प्रतियोगिता में संभाग की 9 टीमें शामिल हुई थीं।

प्रिंसिपल मनवीर मीना व अतिथियों ने विजेता और उप

विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। इन टीमों में से चयनित खिलाड़ी नेशनल स्तर पर खेलने जाएंगे। सलेक्शन करने वाली टीम के शिवनाथ सिंह चौहान कोटा ने बताया कि अंडर 17 व अंडर 14 दोनों टीमों में नेशनल के लिए 12-12 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। नेशनल के लिए जाने से पहले इनका प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा। प्रतियोगिता में नरेंद्र काजला, कमल भागसर

हमीपुर, प्रदीप चुरू व नवीन काजला हरिपुर ने निष्पक्षिक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में सुनील दत्त पारीक, रविंद्र कुमार, सुरेंद्र मोघा, मनीष चौधरी, सतवीर सिंह आदि मौजूद थे।

बालिका वर्ग वॉलीबॉल में भी जीता गोल्ड पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा की बालिका टीम अंडर-17 में भी संभाग स्तर पर फाइनल मुकाबला जीतकर गोल्ड मेडल हासिल किया है। जिला

मुख्यालय शुद्धन के पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में संभाग स्तरीय बालिका वर्ग अंडर 17 वॉलीबॉल टूर्नामेंट हुआ था। टीम लीडर लक्ष्मी सैनी के मुताबिक प्रतियोगिता में खेतड़ी नगर व शुद्धन की टीम को हराकर पीएमश्री केवी इंदरपुरा की टीम विजेता रही। टीम में कप्तान की भूमिका मानवी टंक ने निभाई। पीएमश्री केवी इंदरपुरा की टीम ने खेतड़ी नगर को 2-1 व शुद्धन की टीम को 3-0 से हराया।

ब
अ
ब
छे
के
छे
दू
मि
कु
हम
ग
मि
पू
दी
अ
ज
पर
हो
में
सा
अ
दी
हो
दु
10
मा
सु
हम
उ
अ
बा
अ
उ
के

गोल्ड जीतने वाली बालिका टीम का अभिनंदन



उदयपुरवाटी | केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से आयोजित संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता बालिका वर्ग अंडर-17 में गोल्ड मेडल जीतकर आई पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा की टीम का स्कूल पहुंचने पर अभिनंदन किया गया। केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय झुंझुनूं में संभाग स्तरीय अंडर-17 बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता हुई थी। टूर्नामेंट में इंदरपुरा की टीम ने खेतड़ी की टीम को 2-1 से और झुंझुनूं की टीम को 3-0 से हराकर फाइनल मुकाबला जीता था। प्रिंसिपल मनवीर मीना के नेतृत्व में खिलाड़ियों का अभिनंदन किया गया। पीटीआई होशियार सिंह के मुताबिक टीम कप्तान मानवी टांक सहित खिलाड़ी अनुश्री, दिव्या, ज्योति, मोनिका व रिकू का नेशनल टीम के लिए चयन किया गया है।

सहायक आयुक्त ने केवी इंदरपुरा का निरीक्षण किया



इंदरपुरा | केवी संगठन क्षेत्रीय कार्यालय संभाग के सहायक आयुक्त माधोसिंह ने टीम के साथ पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा का निरीक्षण किया। टीम में प्राचार्य नरसीलाल केंद्रीय विद्यालय नाल बीकानेर, बृजेन्द्र कुमार उप प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय कोटा, सुनीता गोठवाल मुख्य अध्यापक केंद्रीय विद्यालय झुंझुनूं शामिल थीं। प्राचार्य मनवीरसिंह मीना ने बताया कि निरीक्षण दल ने प्रार्थना सभा सहित विद्यालय में आयोजित हो रही पीएम श्री योजना का जायजा लिया। निरीक्षण दल ने विद्यालय के पुस्तकालय, संगणक कक्ष, कला कक्ष, संगीत कक्ष व सभी प्रयोगशालाओं के साथ-साथ विद्यालय में चलने वाली समस्त शैक्षिक गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के अंत में विद्यालय परिसर में मीटिंग हुई। सभी स्टाफ सदस्यों ने सुझाव दिए।

केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में खाली सीटों के लिए कल तक कर सकेंगे आवेदन

उदयपुरवाटी | पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में कक्षा 1 से 8 व 11 (विज्ञान संकाय) में स्टूडेंट्स की कुछ सीटें खाली हैं। इन रिक्त सीटों पर 28 व 29 अगस्त को बच्चों के रजिस्ट्रेशन व प्रवेश होंगे। केवी इंदरपुरा के प्रिंसिपल मनवीर मीना ने बताया कि रिक्त सीटों पर श्रेणी 1 (केंद्र सरकार के कर्मचारी) व श्रेणी 2 (केंद्र सरकार की स्वायत्त संस्थाओं के कर्मचारी) में इच्छुक कर्मचारी अभिभावक व्यक्तिगत रूप से स्कूल में उपस्थित होकर अपने बच्चों को प्रवेश के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अपूर्ण आवेदन या 29 अगस्त दोपहर 02 बजे के बाद किसी भी फॉर्म को स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए विद्यालय कार्यालय में या फोन न. 01594234555 पर सुबह 9 बजे से दोपहर 4 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में बैठक का आयोजन

इंदरपुरा | पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय इंदरपुरा में सत्र 2024-25 के लिए विद्यालय समिति की प्रथम बैठक का आयोजन शुक्रवार को हुआ। समिति की नामित अध्यक्ष मोनिका सामोर उपखंड अधिकारी, उदयपुरवाटी की



अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें विद्यालय के प्राचार्य

मनवीर सिंह मीना ने समिति के सामने विद्यालय में चल रही समस्त शैक्षणिक एवं सहाय्य गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। समिति में बैठक के दौरान विद्यालय के विकास एवं शैक्षणिक दृष्टिकोण पर चर्चा हुई। इससे पूर्व उपखंड अधिकारी ने पूरे विद्यालय का मुआयना किया। उपखंड अधिकारी ने कक्षाओं में जाकर बच्चों से भी बातचीत की तथा उनका उत्साहवर्धन किया। बैठक समाप्त होने के पश्चात उपखंड अधिकारी ने समिति के अन्य सदस्यों के साथ विद्यालय में चल रहे व्यवसायिक प्रयोगशाला के निर्माण कार्य का भी मुआयना किया एवं दिशा निर्देश दिए।

उदयपुरवाटी की मानवी टांक की कप्तानी में केवी इन्द्रपुरा की पांच खिलाड़ी राजस्थान टीम में शामिल



उदयपुरवाटी | केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से आयोजित बालिका वर्ग नेशनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट में केंद्रीय विद्यालय राजस्थान जयपुर की टीम भुवनेश्वर व पटना की टीम को हराकर ग्रुप-ए में टॉप पर पहुंच गई है। राजस्थान की टीम का नेतृत्व उदयपुरवाटी की बेटी मानवी टांक कर रही है। टीम में केवी इन्द्रपुरा की 5 खिलाड़ी खेल रही हैं। केवी संगठन की ओर से 17 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के नेशनल वॉलीबॉल मैच अंबाला में चल रहे हैं। टूर्नामेंट में राजस्थान जयपुर की टीम को ग्रुप ए में रखा गया है। जयपुर की टीम भुवनेश्वर व पटना की टीम को हराकर 6 अंकों के साथ ग्रुप में टॉप स्थान पर पहुंच गई है। इस में केवी इन्द्रपुरा की तीन, केवी खेतड़ीनगर की 4 व केवी इन्द्रपुरा की 5 बालिकाएं खेल रही हैं। टीम की लीडर केवी इन्द्रपुरा की छात्रा मानवी टांक कर हैं। इससे पहले टीम ने मानवी की कप्तानी में रीजनल पर गोल्ड मेडल जीता था। नेशनल खेलने वाली टीम में पीएमश्री केवी इन्द्रपुरा की अनुश्री सैनी, दिव्या ज्योति, मानवी टांक, मोनिका व रिकू कुमारी, केवी खेतड़ीनगर की अंबिका, अंशु मीणा, लखन्या व प्रियंका सैनी तथा केवी इन्द्रपुरा की प्रियांशी, तनिष्का पूनिया और तीया टीम में शामिल हैं।

टीम में शामिल सभी खिलाड़ी इन्द्रपुरा, झुंझुनूं व खेतड़ी नगर केवी की हैं, 5 में से 4 मैच जीतकर दूसरे स्थान पर नेशनल वॉलीबॉल में स्टेट की टीम क्वार्टर फाइनल में

भास्कर नज़्म | उदयपुरवाटी

केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से आयोजित अंडर-17 बालिका वर्ग नेशनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट में राजस्थान की टीम अब तक पांच मैच में से 4 मुकामों जीतकर ग्रुप ए में 12 अंक हासिल कर दूसरे स्थान पहुंच गई है। क्वार्टर फाइनल में जयपुर की टीम का मुकामला सोमवार को हैदराबाद की टीम से होगा।

जयपुरी के अनुसार केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से अंडर-17 आयु वर्ग की बालिकाओं के नेशनल वॉलीबॉल मैच अंबाला में चल रहे हैं। टूर्नामेंट में राजस्थान जयपुर की टीम को ग्रुप ए में रखा गया है। जयपुर की टीम ने पहले दिन



उदयपुरवाटी. अंबाला में नेशनल वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लेती जयपुर की टीम।

भुवनेश्वर व पटना की टीम को प्रकर 9 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। तीसरे दिन खेतड़ी को हराकर 6 अंकों के साथ ग्रुप में टॉप दिल्ली की टीम को हराकर 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर आ गया व बैंगलूर से हार गई। इस

उल्लेखनीय है कि जयपुर की टीम में केवी इन्द्रपुरा की तीन, केवी खेतड़ी नगर की 4 व केवी इन्द्रपुरा की 5 बालिकाएं खेल रही हैं। टीम की कप्तानी केवी इन्द्रपुरा की छात्रा मानवी टांक कर रही हैं जो उदयपुरवाटी है। टीम के साथ कोच केवी सुलभा के जॉइंट प्रभु और एसपोर्ट केवी इन्द्रपुरा की सोनिष् सैनी हैं। पीएमश्री केवी इन्द्रपुरा, झुंझुनूं व खेतड़ी नगर की छात्रा : नेशनल खेलने वाली टीम में पीएमश्री केवी इन्द्रपुरा की अनुश्री सैनी, दिव्या ज्योति, मानवी टांक, मोनिका व रिकू कुमारी, पीएमश्री केवी खेतड़ी नगर की अंबिका, अंशु मीणा, लखन्या व प्रियंका सैनी तथा पीएमश्री केवी इन्द्रपुरा की प्रियांशी, तनिष्का पूनिया और तीया टीम में शामिल हैं।

कलेक्टर ने किया पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय का निरीक्षण

इन्द्रपुरा | नीमकाथाना जिले के इन्द्रपुरा गांव स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय का नीमकाथाना कलेक्टर एवं स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) अध्यक्ष



शरद मेहरा ने निरीक्षण किया। विद्यालय प्राचार्य मनवीर सिंह

मीना ने बताया कि कार्मिक निरीक्षण दल द्वारा निरीक्षण प्रतिवेदन तैयार किया गया। इसके आधार पर कलेक्टर ने विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल की विभिन्न कक्षाओं व प्रयोगशालाओं का भी जायजा लिया। विद्यार्थियों से शिक्षण संबंधी जानकारी ली और उन्हें जेईई व नीट की तैयारी के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए चलवाई जा रही ऑनलाइन कोचिंग कक्षाओं के बारे में भी जानकारी दी।

केवि इन्द्रपुरा में लक्की व सलीना कुरैशी रही अव्वल

उदयपुरवाटी. सीबीएसई की ओर से घोषित किए गए दसवीं व बारवीं के परीक्षा परिणाम में केंद्रीय विद्यालय इन्द्रपुरा में लक्की सीगड़ व सलीना कुरैशी अव्वल रही हैं। विद्यालय के प्राचार्य मनवीर सिंह मीना ने बताया कि दसवीं व



बारवीं का बोर्ड परीणाम लगातार आठवें वर्ष भी शत प्रतिशत रहा। बारवीं के परीक्षा परिणाम में 91.60 प्रतिशत अंक के साथ पोसाना निवासी लक्की सीगड़ पुत्री विनोद कुमार प्रथम स्थान पर रही। वहीं भावना कंवर, दिव्या कंवर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। दसवीं के परीक्षा परिणाम में 93.40 प्रतिशत अंक के साथ उदयपुरवाटी निवासी सलीना कुरैशी पुत्री शकील अहमद प्रथम स्थान पर रही। वहीं रोहित सैनी दूसरे व हार्दिक, प्रतीक समान अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय इंद्रपुरा कर्मचारी स्टाफ 2024-25

क्र. सं.	नाम	पद
1.	श्री मनवीर सिंह मीना	प्राचार्य
2.	श्री सुनील दत्त पारीक	स्ना.शि.-भौतिक विज्ञान
3.	श्री सतीश सोनी	स्ना.शि.-संगणक विज्ञान
4.	श्री रविन्द्र कुमार	स्ना.शि.-गणित
5.	श्री संदीप कुमार	स्ना.शि.-जीव-विज्ञान
6.	श्री मूलचंद महला	स्ना.शि.-रसायन विज्ञान
7.	श्री मनीष कुमार नरूका	स्ना.शि.-हिंदी
8.	श्री मनोज कुमार डोलिया	प्र.स्ना.शि.-संस्कृत
9.	श्री मनीष कुमार	प्र.स्ना.शि.-अंग्रेजी
10.	श्रीमती रश्मि महारानिया	प्र.स्ना.शि.-सा.वि.
11.	श्री प्रदीप कुमार	पुस्तकालयाध्यक्ष
12.	श्री सुरेन्द्र कुमार मीणा	प्र.स्ना.शि.-गणित
13.	श्री होशियार सिंह	प्र.स्ना.शि.-शा.शि.एवं स्वा.शि.
14.	श्री राम किशोर मीना	प्र.स्ना.शि.-कार्यानुभव
15.	श्री सुनील कुमार चेजारा	प्र.स्ना.शि.-कला शिक्षा
16.	श्री किरण कुमार राजोरिया	प्रा.शि.-संगीत
17.	श्री संदीप कुमार	प्रा.शि.
18.	श्री विकास जाखड	प्रा.शि.
19.	श्री जितेन्द्र कुमार मीणा	प्रा.शि.
20.	श्रीमती लक्ष्मी कुमारी	प्रा.शि.
21.	श्री राजेन्द्र कुमार	प्रा.शि.
22.	श्रीमती मीनाक्षी कुमारी	प्रा.शि.
23.	श्री सांवरमल	व. स. स.
24.	श्री दीपक	क.स.स.
25.	श्री सुरेश कुमार	सब-स्टाफ
26.	श्री राम दयाल	सब-स्टाफ
27.	श्री कालू राम	सब-स्टाफ



धन्यवाद